अर्थराइटिस में खान-पान परहेज, क्या खाना चाहिए, क्या नहीं और घरेलु उपाय

/ayushremediesindia @ayushremediesin @ayushremedies

अर्थराइटिस में आहार, परहेज –

घुटनो का दर्द बढ़ने लगे और चलने में भी तकलीफ हो तो समझ लीजिये की ये गठिया रोग होने के लक्षण है | गठिया रोग जवानी के बाद बूढ़ापे वाली अवस्था में आता है लेकिन ये रोग आजकल आम हो गया है नोजवानो में भी | चिकित्सालय में वृद्ध लोगो के साथ आप युवा और छोटे बच्चो में भी गठिया रोग की शिकायत देख सकते है | अर्थराइटिस होने का मुख्य कारण हमारा खान-पान जो बिल्कुल भी पौष्टिक नहीं है | इसके चलते शरीर में ये रोग उत्पन्न होता है | सही समय पर गठिया रोग का आयुर्वेदिक इलाज ना हुआ तो ये गठिया रोग लाइलाज बनकर रह जाता है | समय पर उपचार जरुरी है |

अर्थराइटिस होने पर सबसे बड़ी समस्या होती के अर्थराइटिस में क्या खाएं जो इस रोग को दूर करे और दर्द को जड़ से ख़त्म करे और अर्थराइटिस में क्या नहीं खाएं जो इस दर्द को और बढाती हो | हरी सब्जियां और पत्तेदार वाली सब्जियां का वर्णन ज्यादा किया गया है क्योकि यह दर्द को कम करने में उतनी ही कामगार है जितनी की आयुर्वेद की जड़ी बूटियों से बनी औषद्धियों की | गठिया रोग का आयुर्वेदिक इलाज करने में इन सब्जियों का भी एक अलग ही महत्व है जो रोगी को उपचार के समय इनका सेवन करना बहुत उपयोगी बताया है |

गठिया रोग का आयुर्वेदिक इलाज गठिया रोगी के लिए हर तरह से मददगार साबित होता रहा है | आयुर्वेद से बनी जड़ी बूटी से अर्थराइटिस का इलाज करना संभव है |

जड़ी बूटी से तैयार आयुर्वेद का ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल के निरंतर 3 से 4 महीने इस्तेमाल करने से आप आर्थराइटिस, जॉइंट पैन, कमर दर्द, जोड़ो का दर्द आदि का इलाज कर सकते है |

ओर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल की सामग्री –

ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल बना है आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों जैसे: एलोवेरा, पीपलामूल, रीगनी, केसर, चोपचीनी, अस्थिसंहार, अश्वगंधा, सुरंजन, स्वरण बंग भस्म, गुग्गुल, रामयफल, नागाभस्म, रसना, गोदन्ती हरताल भस्म | इसके निरंतर सेवन से गठिया रोगी को दर्द में राहत मिलती है |

ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल बना है अकरकरा, अरंड, रसना, पीपलामूल, निर्गुन्डी, गुग्गुल, नागकेसर, अस्थिसंहार, अश्वगंधा, लॉन्ग ऑयल, जायफल ऑयल, गंधपत्री ऑयल, गन्धपूर्ण ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, तारपीन ऑयल, कपूर ऑयल, अरंड ऑयल और बुलेलु ऑयल से |

भारत में ओर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल कैसे खरीदें?

आप भारत में प्रतिष्ठित ऑनलाइन हर्बल स्टोर जैसे आयुष रेमेडीज डॉट इन से ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थोंक्सिल प्लस ऑयल खरीद सकते हैं और वह भी भारतीय रुपयों में । इन हर्बल उपचारों को आप घर बैठे मंगवा सकते है | भारत में ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थोंक्सिल प्लस ऑयल खरीदने के लिए ऑनलाइन भुगतान और साथ ही सीओडी सुविधाएं उपलब्ध हैं |

ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स विचारशील पैकेजिंग में उपलब्ध है | भारतीय ग्राहक इस हर्बल पूरक को 3 से 5 व्यावसायिक दिनों में सीधे अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सील प्लस कैप्सूल और ऑयल –

गठिया रोग के आयुर्वेदिक उपचार की अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट AyushRemedies.in पर जाये |